इकतारा बोले

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
9394290204

अवसर भरमार रोजगार ही रोजगार

'जो सही बात है, उसे सुनकर क्यों इस तरह तीन तेरह कर रहे हो? मंत्री जी ने सही तो कहा है - सारे शिक्षितों के लिए सरकारी रोजगार संभव नहीं है। इसमें क्या गलत कहा उन्होंने? ' 'अरे भैया! क्या बोल दिए आप? ' 'सही तो है। फसल काटते समय मिलने वाले रोजगार को अपनाने कहा गया तो इसमें इतना गुस्सा क्यों? अरे हमारे बच्चे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जाकर वहां के पेट्रोल पंपों पर, सुपर मार्केट में, रेस्टोरेंटों में खाली समय में काम करें तो हमारे लिए गर्व की बात है? वही अपने देश में करें तो छोटा या गलत कैसे हो जाता है? ' 'मतलब उन्होंने कहा था न बहुत सारे रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। ' 'मतलब रोजगार मुहैया कराएंगे कहा न, सरकारी नौकरियां देने की बात तो नहीं थी न? ' 'केंद्र में सत्ता वाली पार्टी ने कहा था कि हर साल एक करोड़ रोजगार मुहैया कराए जाएंगे। वे रोजगार कहां है? ' 'अरे कैसे तुम इतनी बड़ी बात कह सकते हो छोटू! अब देखो हर गांव शहर में सुपर बाजार, मॉल, चैन शोप्स कितने हजार लोगों को रोजगार दे रहे हैं, क्या तुम नहीं जानते? यह मेरा कहना नहीं है। लेकिन सोच इतना अधिक बिजनेस किया होगा वरना जोमैटो का पब्लिक इश्यू अड़तीस गुना अधिक ओवर सब्सक्राइब हुआ कि नहीं तुम ही बोलो। भैया! आप ऐसा कहेंगे तो मैं क्या कहूंगा? अब तुम क्या सोचते हो कि सरकारी नौकरियां कितनी होती होंगी? एक सौ तीस करोड़ जनसंख्या में, सरकारी चाहे वह केंद्र में हो या राज्यों में सब मिलाकर तीन करोड़ से अधिक नौकरियां नहीं होंगी उनमें भी आधे से अधिक रिक्त रहती हैं क्योंकि चुनाव जब भी हो तो कुछ पदों को भरने की स्थिति दिखानी पड़ती है न? इतने कम अवसरों के लिए इतनी चिल्ल पों क्यों?' छोटू भैया तुम कुछ भी कहो सरकारी नौकरी की अपनी अलग महत्ता होती है अलग ओहदा होता है, रुतबे और मजा होता है। अब इससे अधिक में क्या कहूँ? ' 'यह बात यूं ही नहीं कही गई कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। हम बड़े-बड़े सपने देखते हुए अपने बच्चों को भारी फीस देकर बड़ी-बड़ी स्कूलों में, निजी स्कूलों में भेजते हैं न? वही बड़े-बड़े स्कूल कोरोना के नाम पर अपने यहां काम करने वाले शिक्षकों कोरोना के नाम पर अपने यहां काम करने वाले शिक्षकों को बिना वेतन सताया कि नहीं? ये सारे शिक्षक अपने लिए दूसरे रोजगार ढूंढने निकल पड़े। कोई सब्जी बेच रहा है। कोई मजदूरी कर रहा है। कोई किराए की टैक्सी चला रहा है। कोई पकौड़े बेच रहा है। इस तरह कई काम धाम खोज लिए गए हैं और अपने पेट पाले जा रहे हैं। हमारे मोल्लो में सब्जी बेचने वाला एक शिक्षक तो यहां तक कहता है कि अब स्कूल खुल भी जाएं तो वह नहीं जाएगा। यही धंधा करेगा। इसमें से श्रम की महत्ता आजादी और कमाई दिखाई पड़ती है। वह कहता है कि बेकार में काम के लिए मारा मारा फिर रहा था। ' 'भैया! मैं भी वही कह रहा हूं। मंत्री जी ने नहीं कहा या सरकार ने नहीं कहा इसलिए कोई भी बिना नौकरी, रोजगार, काम तलाशे खाली नहीं बैठा है। पकोड़े, आमलेट या समोसे बनाते हुए या पानी पुरी और पाव भाजी के ठेले लगा कर जिए जा रहे हैं। कुछ लोग तो सेलफोन मरम्मत भी कर रहे हैं। जो यह सब नहीं कर पाए तो छोटे-मोटे काम और मजदूरी करके जीवन यापन कर रहे हैं। भैया! ' 'वास्तव में यह रोजगार की समस्या का शोरोशराबा हमारे दक्षिण के राज्यों में ही बहुत ज्यादा है। अब अपने यहां देखो दूसरे राज्यों से आकर यहां व्यापार करने वाले कितने अधिक हैं। उनके बच्चे भी पढ़ते हैं, लेकिन बेरोजगारी का रोना नहीं रोते। किसी पर आरोप नहीं लगाते। उनका लक्ष्य तो हमेशा उनके व्यापार को बढ़ावा देना ही होता है और कुछ नहीं। ' 'सही बात है भैया! आजकल किराना दुकान भी वही चला रहे हैं। शहरों में भी वे बहुत अधिक फैल गए हैं अपने काम धंधे के साथ। तो आप कहना क्या चाहते हो कि हम पढ़ें न शिक्षित न हों। ' 'न न ऐसा मैं क्यों कहने लगा? इंजीनियरिंग, परास्नातक पढ़े लोग रेलवे गैंगमैन और लिपिकों के रूप में काम कर रहे हैं। उस परिधि से बाहर ना आ सकने की स्थिति में उतार-चढ़ाव के बिना जीवन जी रहे हैं। यही मेरा वेदना का कारण है, मेरे दर्द का सबब है। ' 'भैया! तुम कुछ भी कहो। सरकारी नौकरी का मजा अलग है। अगर वह मिल जाती है तो जिंदगी बन जाती है। इस नाम से हाथ पर हाथ धरे जी सकते हैं। इसीलिए न सभी लोग सरकारी रोजगार के पीछे दौड़ भाग करते हैं। वह तो ठीक है लेकिन?' 'लेकिन वेकिन छोड़ो भैया! सरकार सुखी रहे और दो-तीन साल में एक बार कुछ एक नौकरियां भरे और क्या चाहिए? रोजगार सूचनाएं अखबारों में आने वाली हैं इस समय। किस को पकड़ना है काम के लिए, कितनी दक्षिणा समर्पित करनी है, देखना है। मैं इस काम में लग जाता हूं। मैं चला।

डॉ टी महादेव राव

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की प्रभावी कार्यवाही

धार। जिले में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत आबकारी वृत्त बदनावर 'ब' में कार्यवाही करते हुए मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत एक प्रकरण दर्ज किया गया है। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त जिला धार श्री राजनारायण सोनी के मार्गदर्शन में तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुश्री शालिनी सिंह के नेतृत्व में यह कार्यवाही की गई। मनासा-पायकुण्ड मार्ग पर ग्राम पलवाड़ा एवं ग्राम बड़गारा के मध्य 3 फरवरी 2026 को एक चार पहिया स्विफ्ट वाहन क्रमांक MP- 09-T-9824 की जांच की गई। जांच के दौरान वाहन से अवैध रूप से परिवहन की जा रही 15 पेटी विदेशी मदिरा (व्हिस्की) जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) एवं 34(2) के अंतर्गत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया है। जप्त की गई अवैध मदिरा एवं वाहन का अनुमानित मूल्य लगभग 4,00,000 रुपये है। यह कार्यवाही आबकारी उप निरीक्षक श्री राजकुमार शुक्ला, श्री रोहित मुकाती, श्री मुनेन्द्र सिंह जादौन तथा आबकारी आरक्षक श्री राजेंद्र यादव, श्री कमल वर्मा एवं श्री संजय मंशारे की टीम द्वारा की गई।

मांडू मीडिवल वंडर परियोजना को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश

स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत मांडू में 24 करोड़ से होंगे विकास कार्य

धार। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत कार्यों पर चर्चा की गई। इस दौरान चैलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत मांडू ए मीडिवल वंडर परियोजना को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि योजना के सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में प्रारंभ कर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि परियोजना के कार्य मानसून सत्र के दौरान पूरे कर लिए जाएं, ताकि आगामी मानसून में पर्यटकों को स्वदेश दर्शन 2.0 योजना का पूरा लाभ मिल सके।

मांडू के समग्र पर्यटन विकास को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में परिषद की बैठक हुई

कलेक्टर ने कहा कि परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक समिति एवं उप-समितियों का गठन किया जाए, जिनमें जिम्मेदार अधिकारियों को शामिल किया जाए। साथ ही, निरंतर निगरानी के माध्यम से स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सभी संबंधित अधिकारी मांडू का स्थल भ्रमण करें। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से कलेक्टर को अवगत कराया गया कि धार जिले की ऐतिहासिक नगरी मांडू को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना है। लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। निविदा प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है एवं एजेंसी का चयन कर लिया गया है, जो शीघ्र ही कार्य प्रारंभ करेगी। इस परियोजना के अंतर्गत मांडू के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों–राम मंदिर, जामा मस्जिद, अशर्फी महल, होशंगशाह का मकबरा, रैवा कुंड, छप्पन महल, दाई का महल, जाली महल तथा दरवाजों की श्रृंखला–को समग्र रूप से जोड़ा गया है। प्रमुख विकास कार्य में नोडल टूरिस्ट सेंटर (डायनो पार्क के पास)= सूचना केंद्र, सैक एवं सुविनियर शॉप, पार्किंग एवं साइनज, सोशल स्कायर (राम मंदिरङ्कजामा मस्जिद परिसर के बीच)= प्लाज़ा, फ्ली मार्केट, टूरिस्ट असिस्टेंस सेंटर एवं 24म7 खुला हाट बाजार, सनडाउनर लॉन (रेन बसेरा के पास)= आकर्षक गार्डन, बैठने की व्यवस्था, रोशनी एवं सजावट, माइनर मॉन्यूमेंट ब्यूटीफिकेशन= छोटे स्मारकों एवं सड़कों का सौंदर्यीकरण, ग्रीन टूरिज्म इनिशिएटिव= हर्बल गार्डन, लैंडस्केपिंग एवं सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटलीकरण एवं प्रशिक्षण पर फोकस, ऑडियो गाइड, मोबाइल ऐप एवं वेबसाइट, वेब-आधारित एआर कंटेंट, स्थानीय युवाओं के लिए स्किलिंग एवं ट्रेनिंग कार्यक्रम शामिल है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक चौधरी, डीएफओ श्री विजयनंथम टी.आर. उपस्थित रहे। जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी श्री प्रवीण शर्मा एवं सदस्य भी बैठक में मौजूद रहे, जबकि मप्र टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी आनलाइन सम्मिलित हुए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई

धार। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन के संबंध में मुख्य बिंदुओं की समीक्षा कर संबंधी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन पर विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को समय सीमा में निराकृत कर श्रेणि में प्रगति लाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PMVBRY) के अंतर्गत प्रतिष्ठानों में आवश्यक पंजीकरण तथा योजना के लाभार्थियों की चिन्हित किए जाने के हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिले की विभिन्न जलप्रदाय पाइप लाईन में जल प्रदूषण को रोकने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना अंतर्गत सोलर पंप स्थापना के संबंध में आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। भू अर्जन के लंबित प्रकरणों को समय सीमा में निराकृत किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त प्रकरणों, जनहित से जुड़े आवेदनों, न्यायालयीन मामलों, योजनाओं की प्रगति तथा लंबित प्रकरणों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। श्री चौधरी ने विभागवार प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी समय-सीमा पत्रों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन प्रकरणों में उत्तर लंबित हैं, उनमें तत्काल कार्यवाई कर प्रकरणों का निराकरण किया जाए तथा 'नॉट रिप्लाइड' श्रेणी के मामलों में प्राथमिकता से जवाब प्रस्तुत किए जाएं। बैठक में स्वास्थ्य, लोक निर्माण, जल संसाधन, सहित अन्य विभागों के प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देश दिए गए।

संयुक्त राष्ट्र में गूंजा 'विकसित भारत' का संकल्प– श्रीमती सावित्री ठाकुर ने रखा भारत का दृष्टिकोण

धार। संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग (CSocD) के 64 वें सत्र को संबोधित करते हुए भारत की ओर से माननीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री एवं धार-महू से सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर ने सामाजिक न्याय, समावेशन एवं सतत विकास से जुड़े वैश्विक विषयों पर भारत का सशक्त पक्ष अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखा।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत का विकास दृष्टिकोण 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना पर आधारित है, जिसमें समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास के लाभ पहुँचना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने महिलाओं, बच्चों, वंचित वर्गों, दिव्यांगजनों और कमजोर तबकों के सशक्तिकरण के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, नीतिगत पहलों और नवाचारों को साझा किया। श्रीमती ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' का संकल्प केवल आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा, समान अवसर, लैंगिक समानता और मानवीय गरिमा के साथ प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। महिला सशक्तिकरण, पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय दर्शन को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत अपने समावेशी विकास के अनुभवों को विश्व समुदाय के साथ साझा कर वैश्विक सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत मानता है कि सतत और समावेशी विकास ही विश्व शांति, स्थिरता और समृद्धि का आधार है। अंत में उन्होंने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र के मंच पर सामाजिक विकास के वैश्विक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा और मानव कल्याण को केंद्र में रखकर वैश्विक साझेदारी को नई दिशा देगा।

कन्या विद्यालय में कक्षा 12वीं की छात्राओं का गरिमामय विदाई समारोह

बदनावर (इंदौर समाचार)शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12वीं की छात्राओं के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीएम श्रीमती प्रियंका मीमरोट रहीं, जिन्होंने छात्राओं को भविष्य निर्माण एवं करियर मार्गदर्शन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ सरल, सहज एवं प्रेरणादायी शैली में प्रदान कीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। पारितोषिक वितरण कार्यक्रम आयोजित कर प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं ने कक्षा बारहवीं की छात्राओं को स्मृति-चिह्न स्वरूप उपहार एवं ग्रीटिंग कार्ड भेंट कर आत्मीय विदाई दी इस अवसर पर प्राचार्य श्री रियाजुद्दीन शेख, शिक्षिका श्रीमती कल्पना परिहार तथा शिक्षक श्री दिनेश हारोड़, शैलेंद्र सिंह यादव, महमूद कुरैशी एवं मुकेश कुमार पुरोहित ने छात्राओं को प्रेरणास्पद संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संचालन कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा ललिता रणावत एवं सानिया खान ने किया तथा अंत में कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा डिम्पी गुर्जर ने आभार प्रदर्शन किया। अगर आप चाहें तो मैं इसमें स्कूल का नाम, स्थान, तारीख जोड़कर इसे और भी प्रोफेशनल न्यूज फॉर्मेट में ढाल सकता हूँ।

उज्जैन से शुरू हुआ `प्रैक्टिकल एरा`, नीमच जिले में खुलेंगे 30 केंद्र, सरकारी इनक्यूबेशन सेंटर का मिला सहयोग

मनासा। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल के रूप में प्रैक्टिकल एरा की शुरुआत सरकारी समर्थन प्राप्त उज्जैन इनक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से संचालित की जा रही है। प्रैक्टिकल एरा का उद्देश्य छात्रों को किताबी पढ़ाई से आगे बढ़कर व्यावहारिक और जीवन उपयोगी शिक्षा प्रदान करना है। यह पहल डिजिटल युग की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने पर केंद्रित है। संस्था द्वारा मिली जानकारी के अनुसार प्रैक्टिकल एरा के अंतर्गत जिले में आने वाले समय में 30 शिक्षा केंद्र खोले जाने की योजना है, जिससे जिले के विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा का लाभ मिल सकेगा। सरकारी इनक्यूबेशन सेंटर के सहयोग से प्रैक्टिकल एरा को मार्गदर्शन, संसाधन और संरचनात्मक समर्थन प्राप्त हो रहा है, जिससे यह पहल अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन रही है। संस्था का मानना है कि उज्जैन से शुरू हुई यह सोच की पहल नीमच जिले से होते हुए आने वाले समय में प्रदेश के अन्य जिलों तक व्यावहारिक शिक्षा का विस्तार करेगी। प्रैक्टिकल एरा के अंतर्गत तीन प्रमुख पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। 1.डिजिटल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए-आई) साक्षरता 2.कृषि, औद्योगिक एवं व्यावसायिक शिक्षा 3.आध्यात्मिक, सामाजिक एवं भावनात्मक शिक्षा।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याएं सुनीं, दिए निराकरण के निर्देश

धार। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई ली गई। जनसुनवाई में जिले के दूरस्थ एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कुल 72 आवेदन प्राप्त हुए।जनसुनवाई में आवास, वृद्धावस्था एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, राजस्व प्रकरण, पेयजल व्यवस्था, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जनकल्याणकारी योजनाएं, भूमि अतिक्रमण, अनुकंपा नियुक्ति, आर्थिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों ने व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सार्वजनिक हित से जुड़े विषयों को कलेक्टर के समक्ष रखा।

अवैध शराब के भंडारण एवं विक्रय पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

धार। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार एवं उपायुक्त आबकारी संभाग इंदौर श्री संजय तिवारी तथा सहायक आबकारी आयुक्त जिला धार श्री राजनारायण सोनी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई।

प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर नालछा क्षेत्र अंतर्गत भीलबरखेड़ा गांव में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से शराब का भंडारण कर विक्रय किए जाने की जानकारी मिली। सूचना पर कार्यवाही करते हुए आबकारी अमले द्वारा तलाशी ली गई, जिसमें बोल्ट केन बीयर एवं गोवा व्हिस्की सहित कुल 116.10 बल्क लीटर मदिरा जप्त की गई। इस दौरान आरोपी दिनेश पिता रमेश फूलगर, निवासी भीलबरखेड़ा मौके से फरार हो गया। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। उक्त कार्यवाही नवीन विधान के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए वीडियो रिकॉर्डिंग आदि के माध्यम से की गई। जप्त मदिरा की कुल अनुमानित कीमत लगभग ?36,290/- आंकी गई है। यह कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री प्रशांत मंडलोई, आबकारी उप निरीक्षक श्री नानूराम अलावा, श्री दिनेश उईनिया, श्रीमती राजकुमारी मंडलोई, श्री राजकुमार शुक्ला, श्री रोहित मुकाती, श्रीमती सृष्टि गिरवाल, श्री मुनेंद्र जादौन तथा वृत्त धार, सागौर, सरदारपुर एवं बदनावर-'बी' के आबकारी स्टाफ की संयुक्त टीम द्वारा की गई।